हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 1 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कलेक्टर-एसपी ने किया प्रमुख सचिव श्री उमराव का स्वागत

मण्डला। मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव पशुपालन, प्रमुख सचिव खनिज साधन एवं संचालक माइनिंग श्री उमाकांत उमराव मंगलवार को मंडला पहुंचे। सर्किट हाउस में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा और मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शाश्वत सिंह मीना ने उनका आत्मीय स्वागत किया। प्रमुख सचिव श्री उमराव दो दिवसीय प्रवास पर मंडला आये हैं। बुधवार को वह महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के अंजनिया आगमन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

राज्य सेवा परीक्षा 2026 के लिए परीक्षा प्रभारी में बदलाव

मण्डला। कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल के सफल संचालन के लिए परीक्षा प्रभारी अधिकारी में परिवर्तन किया गया है। पूर्व में डिप्टी कलेक्टर श्री सचिन जैन को परीक्षा प्रभारी नियुक्त किया गया था, लेकिन उनके स्थानांतरण के कारण अब अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र सिंह को नया परीक्षा प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर ने किया जिला कोषालय का निरीक्षण

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने वित्त वर्ष के अंतिम दिन 31 मार्च को जिला कोषालय का वार्षिक निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने स्ट्रांग रूम, स्टांप रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान उन्होंने फायर सेफ्टी के लिए आवश्यक उपकरण रखने के लिए कहा। इसके अलावा, उन्होंने जिला कोषालय के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जिला कोषालय अधिकारी श्री अखिलेश नेटी सहित कोषालय का स्टाफ मौजूद रहा।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर ने 54 आवेदकों की सुनी समस्या

मण्डला। जिला योजना भवन में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री राजेंद्र कुमार सिंह ने 54 आवेदकों की समस्या सुनते हुए समुचित निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जनहित से संबंधित आवेदनों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण करना सुनिश्चित करें। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 51 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

मजबूरी है कि दूसरे शहरों में जाकर गरीबों को कराना पड़ रहा इलाज

जिला अस्पताल मण्डला में डॉक्टरों की भारी कमी

*** महामहिम राज्यपाल क्या जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को भी परखेंगे।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त जिला चिकित्सालय मण्डला जिसका स्वयं का विशाल एवं भव्य भवन भी है और आगे भी भविष्य के मद्देनजर लगातार संरचना विकास जारी है, ट्रामा यूनिट का निर्माण कार्य प्रगति पर है, बीमारियों की जांच के लिये बड़ी-बड़ी आधुनिक मशीनें मौजूद है, विकसित पैथोलॉजी लेब भी उपलब्ध है लेकिन जिन्हें बीमारियों की जांच करना है वे ही नहीं है, जिन्हें इन आधुनिक मशीनों के माध्यम से शारीरिक जांच करनी है वे नहीं हैं, जिनके माध्यम से बीमारों का उपचार होना है वे विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं हैं, जिन मेडिकल अधिकारियों के द्वारा इस चिकित्सालय की व्यवस्था संचालित होनी है वे भी नहीं है यानि शरीर तो तन्दुरूस्त है, उसे खूबसूरत आवरण भी पहनाया गया है लेकिन प्राण ऊर्जा की कमी है इसकी कब पूर्ति होगी?

जिला अस्पताल मंडला में डॉक्टरों की कमी अब गंभीर संकट का रूप ले चुकी है। हालात ऐसे हैं कि विशेषज्ञ चिकित्सकों के स्वीकृत 42 पदों में से 25 पद खाली हैं और केवल 17 विशेषज्ञ डॉक्टरों के भरोसे पूरे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था चल रही है।

जिला चिकित्सालय मे मेडिसिन विशेषज्ञ के स्वीकृत 04 पदों में चारों पद रिक्त है, इसी प्रकार रेडियोलॉजी विशेषज्ञ के स्वीकृत 03 पद में से तीनों पद रिक्त है, नाक कान एवं गला रोग विशेषज्ञ के स्वीकृत 02 पद में से दोनों पद रिक्त है, क्षय रोग विशेषज्ञ के स्वीकृत 1 पद में से 1 पद रिक्त है,त्वचा रोग विशेषज्ञ स्वीकृत 1 पद में से 1 पद रिक्त है तथा मनोरोग विशेषज्ञ के स्वीकृत 1 में से 1पद रिक्त है।

विगत कुछ वर्षों से सरकार के द्वारा सीधे विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती की जा रही है लेकिन उसका असर ग्रामीण और पिछड़े जिलों में नहीं देखने को मिल रहा है, विशेषज्ञों की भर्ती बड़े जिलों में हीं हो रही है, ज्यादातर पिछड़े जिलों में विशेषज्ञ सीट आवंटन के बाद ज्वाइन हीं नहीं करते, ऐसा ही हाल जिला चिकित्सालय मंडला का भी है।

प्रभारी मंत्री के पिछले दौरे मे पत्रकारों के द्वारा सवाल किया गया था की विशेषज्ञ डॉक्टर की कमी को कैसे दूर किया जाएगा, मंत्री जी का जवाब था के जिला मंडला में मेडिकल कॉलेज खुलने के बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी पूरी हो जाएगी लेकिन अभी जो नए मेडिकल कॉलेज (नीमच और विदिशा) खुले

हैं-क्या सभी मेडिकल कॉलेज में सभी विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टर की सभी सीट भरी हुई ?

अस्पताल में रोजाना सैकड़ों मरीज पहुंच रहे हैं, लेकिन डॉक्टरों की कमी के कारण उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई मामलों में मरीजों को बिना उचित जांच के ही वापस लौटना पड़ रहा है या फिर बड़े शहरों का रुख करना पड़ रहा है।

मेडिसिन विभाग, शल्य क्रिया विशेषज्ञ, रेडियोलॉजी विशेषज्ञ, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, चर्म रोग विशेषज्ञ, मनोरोग विशेषज्ञ जैसे अहम विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी साफ दिखाई दे रही है। इससे गंभीर मरीजों को जबलपुर रेफर करना पड़ रहा है।

वर्षों से जिले में कोई रेडियोलॉजी विशेषज्ञ नहीं होने के कारण सोनोग्राफी मशीन धूल खा रही है, सर्जरी के मरीजों को जिनमें पेट की सोनोग्राफी की जरूरत होती है प्राइवेट हॉस्पिटल का मुंह देखना पड़ता है या मेडिकल कॉलेज जाना पड़ता है।

नाक कान गला रोग विशेषज्ञ नहीं होने के कारण इलाज तो हो नहीं पा रहा है, साथ ही श्रवण विकलांग मरीजों को जबलपुर जांच के लिए जाना पड़ता है।

मनोरोग विशेषज्ञ नहीं होने के कारण मरीजों को इलाज और विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाने के जबलपुर जाना पड़ता है, मनोरोग मरीजों को बहुत ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है, जिसके कारण परिजनों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है

मौजूद डॉक्टरों पर मरीजों का दबाव कई गुना बढ़ गया है। एक-एक डॉक्टर को दिनभर में बड़ी संख्या में मरीज देखने पड़ रहे हैं, जिससे इलाज की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

जिला चिकित्सालय मे इमर्जेंसी ड्यूटी, MLC, पोस्टमार्टम जैसे कार्य करने के लिए मेडिकल ऑफिसर्स के 23 पद स्वीकृत है, जिसमें 11 मेडिकल ऑफिसर्स पदस्थ है लेकिन वर्तमान में केवल 7 मेडिकल ऑफिसर्स ही कार्यरत हैं। डॉ राकेश कुमार तेकाम पोस्टग्रेजुएट मेडिकल ऑफिसर रेलडियोलॉजी विभाग, डॉ सूसन अब्राहम पोस्टग्रेजुएट मेडिकल ऑफिसर रेलडियोलॉजी विभाग, डॉ राधा चतुर्वेदी पोस्टग्रेजुएट मेडिकल ऑफिसर चर्म रोग विभाग तथा डॉ मिलेंद्र कुमार सिंह मेडिकल ऑफिसर विगत कई वर्षों से अनुपस्थित है। इमर्जेंसी ड्यूटी करने वाले ज़्यादातर पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल ऑफिसर्स है जो इमर्जेंसी ड्यूटी के साथ साथ विशेषज्ञों का कार्य संपादित कर रहे है। डॉ गौरव जेटली पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल ऑफिसर सर्जरी विभाग मे भी अपनी सेवाएं दे रहे है। डॉ दिव्येश पटेल और डॉ मोहसिन मंसूरी इमर्जेंसी ड्यूटी के साथ साथ मेडिसिन विभाग का भी कार्य देख रहे है। डॉ हेमेंद्र चौहान और डॉ अविनाश खरे इमर्जेंसी ड्यूटी के साथ साथ अस्थि रोग विभाग का भी काम देख रहे है। पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल ऑफिसर्स को अपने विभाग में वार्ड राउंड, ओपीडी, ऑपरेशन, विकलांगता बोर्ड जैसे अतिरिक्त कार्यों का भी संपादन करना पड़ता है।

वर्तमान में जिला चिकित्सालय मंडला में केवल 2 महिला मेडिकल ऑफिसर्स पदस्थ है, जिनको हर तीसरे दिन 24 घंटे की इमर्जेंसी ड्यूटी करनी पड़ती है, जिला चिकित्सालय पूरे जिले का फर्स्ट रेफरल सेंटर है, जिले की सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से महिलाओं की MLC के लिए ज्यादातर रात में ही रेफर किया जाता है, महिला चिकित्सकों को अत्यधिक मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

गत वर्ष माह जून- जुलाई 2025 में जिला चिकित्सालय मंडला से 4 मेडिकल ऑफिसर्स ने अन्यत्र स्थानांतरण करवा लिया, उसके बाद अभी तक किसी मेडिकल ऑफिसर्स की पोस्टिंग जिला चिकित्सालय मे नहीं हुई है।

जिला चिकित्सालय मे प्राथमिक तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से मेडीकल ऑफिसर्स को संलग्न कर काम चलाया जा रहा है।

जिला चिकित्सालय मे वर्तमान में कोई भी द्वितीय श्रेणी पुरुष चिकित्सा अधिकारी पदस्थ नहीं है। जिनका समस्त कार्य पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल ऑफिसर्स, बॉन्डेड मेडिकल ऑफिसर तथा एन एच एम मेडिकल ऑफिसर द्वारा किया जा रहा है।

दूर-दराज गांवों से आने वाले मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। समय पर इलाज नहीं मिलने से उनकी स्थिति और गंभीर हो रही है।

खबर में जो आंकड़े दिये जा रहे हैं ये सूत्रों पर आधारित हैं वजह यह है कि कोई भी जिम्मेदार अधिकारी जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर न तो साफगोई से बात ही करता है और न ही मीडिया को आंकड़े उपलब्ध कराता है।

जिले की ऐसी हैं स्वास्थ्य सुविधा.....

जिला मंडला आबादी लगभग-10 लाख, कुल विशेषज्ञ स्वीकृत पदः 42, कार्यरत विशेषज्ञ डॉक्टर 17, रिक्त पदः 25, सबसे ज्यादा कमीः विशेषज्ञ डॉक्टरों की, प्रभावित मरीजः ग्रामीण एवं गंभीर मरीज, रेफर केसः जबलपुर जैसे बड़े शहरों में बढ़े, मेडिकल ऑफिसर्स स्वीकृत पद -23, कार्यरत मेडिकल ऑफिसर्स-07, मेडिकल ऑफिसर्स के रिक्त पद - 16

चिकित्सा विशेषज्ञों के कितने पद हैं खाली

शल्य क्रिया विशेषज्ञ के 4 पदों पर केवल 1 विशेषज्ञ पदस्थ है, शल्य क्रिया विशेषज्ञ के 3पद रिक्त है। अस्थि रोग विशेषज्ञ के 4 पदों पर केवल 1 विशेषज्ञ पदस्थ है, अस्थि रोग विशेषज्ञ के 3 पद रिक्त है। नेत्र रोग विशेषज्ञ के 2 पदों पर केवल 1 विशेषज्ञ पदस्थ है-डॉ शैलजा पटेल जो कि विगत 2वर्षों से अनाधिकृत रूप से अनुपस्तीथित है, तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ का 1 पद रिक्त है 1 वर्तमान में विक्टोरिया हॉस्पिटल में पदस्थ डॉ तरुण अहरवाल जिला चिकित्सालय मंडला मे 2 दिन अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। शिशु रोग विशेषज्ञ के स्वीकृत 7 पदों पर केवल5 विशेषज्ञ पदस्थ है, शिशु रोग विशेषज्ञ के 2 पद रिक्त है। स्त्री रोग विशेषज्ञ के स्वीकृत 4 पदों पर 5 स्त्री रोग विशेषज्ञ पदस्थ है। पैथोलॉजी विशेषज्ञ के स्वीकृत 3 पदों पर केवल1 विशेषज्ञ पदस्थ है, पैथोलॉजी विशेषज्ञ के 2 पद रिक्त है। निश्चेतना विशेषज्ञ के स्वीकृत 4 पदों पर केवल3 विशेषज्ञ पदस्थ है, निश्चेतना विशेषज्ञ का 1 पद रिक्त है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया ने गैस सिलेंडर पेट्रोल डीजल की कमी एवं मूल्यवृद्धि के विरोध में किया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

अमेरिका और ईरान के युद्ध के फलस्वरूप मोदी सरकार की गलत विदेश नीति एवं सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं अपरिपक्वता के चलते आमजन महंगाई की मार से पहले से ही प्रभावित हैं उस पर मोदी सरकार द्वारा गैस सिलेंडर के मूल्यों में वृद्धि करके एवं राज्य की भाजपा सरकार द्वारा बिजली दरों में बढ़ोतरी करके जनता का जीना कठिन कर दिया है। साथ ही पेट्रोल/डीजल की उपलब्धता भी पर्याप्त मात्रा में नहीं होने से आमजन परेशान है। इसी तारतम्य में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण सिंह पट्टा ने भाजपा सरकार की गलत नीतियों बढ़ती मंहगाई पर जमकर धावा बोला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी के नेतृत्व में समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार बिछिया को महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण सिंह पट्टा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया के अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जोश सिंह ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस घूघरी के अध्यक्ष अरविंद कुशराम नगर कांग्रेस अध्यक्ष शशांक गोस्वामी, झुन्ना ठाकुर, अरूण मिश्रा टेकराम राय अशोक राजपूत अशोक ज्योतिषी जनपद सदस्य मेवालाल धुर्वे चमन यादव अमन राजपूत अक्षत झारिया, टीका तुम्राली संतोषी मोंगरे सरस्वती मरावी पार्षद नारायणी साहू विकास ग्वले त्रिवेणी तेकाम राजकुमारी धुर्वे नरेंद्र धुर्वे सोनू साहू अमर धुर्वे डमरू राजपूत मनराज राजपूत रतन पंद्रो तुलाराम साहू रम्मू राजपूत समेत सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुप्ता जी का सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज के शिक्षा विभाग से राजेश कुमार गुप्ता मंडल संयोजक का सेवा निमित्त पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें समस्त स्टाफ के सदस्य एवं शिक्षक द्वारा राजेश कुमार गुप्ता का विदाई समारोह में शामिल हुए विगत वर्षों से लगातार मंडल संयोजक के पद में रहकर सभी को अपना कुशल मार्गदर्शन दिया एवं कार्यालय में हमेशा लोगों से मिलकर काम कार्य किया गया स्टाफ के सहयोग से शासकीय कामों में अपना सहयोग दिया और हमेशा शिक्षकों की मदद करते हुए विकासखंड नारायणगंज को शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एवं अपने कर शैली से लोगों को प्रभावित किया अपने कार्यकाल में आने वाली सभी परेशानी का सामना किया एवं शिक्षा क्षेत्र में एक अलग भूमिका निभाई शिक्षकों के हमेशा मदद करते रहे और हमेशा उनके लिए तत्पर रहेंगे उनके सहयोग से स्टाफ एवं अधिकारियों को उनका सहयोग मिलता रहा उनके कार्यकाल में शिक्षकों को काफी मदद मिलती रही समय-समय पर सभी स्कूलों का निरीक्षण करते रहे एवं उनको कुशल मार्गदर्शन देते रहे इस विदाई समारोह में शिक्षा अधिकारी राजेश विश्वकर्मा जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा एवं समस्त स्टाफ हॉस्टलों के सभी अधीक्षक एवं कर्मचारी शिक्षक गण उनके परिवार के सभी लोगों की उपस्थिति रही सभी लोगों ने उनके कुशल स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया एवं बस स्टैंड व्यापारियों ने नवीन बस स्टैंड निर्माण प्रयोजन की कार्यवाही पर दर्ज कराई आपत्ति

*** सैकड़ों व्यापारियों ने किए आपत्ति पर हस्ताक्षर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

बिछिया बस स्टैंड को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने की कार्यवाही पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया एवं बस स्टैंड बिछिया के व्यापारियों ने आपत्ति दर्ज कराई है। बिछिया बस स्टैंड के व्यापारियों का कहना है कि इस बस स्टैंड में 3 पीढ़ियों से व्यवसाय कर रहे हैं। यहां की दुकानें उनके जीवन यापन का एक मात्र साधन है यदि इस बस स्टैंड का स्थान परिवर्तित किया जाता है तो हम व्यापारियों के रोजगार का साधन छीन जाएगा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया ने भी इन व्यापारियों की बातों का समर्थन करते हुए कहा कि बस स्टैंड यथावत रहना चाहिए और यदि स्टैंड का विस्तार करना भी है तो मंडी और रेस्टहाउस को स्थानांतरित कर नगर से बाहर करना चाहिए जिससे वर्तमान बस स्टैंड का निर्माण भी हो जाएगा और नवीन बस स्टैंड निर्माण प्रयोजन हेतु जिस 1 एकड़ के लगभग भूमि आवंटन की कार्यवाही की जा रही है उससे अधिक भूमि भी प्राप्त हो जाएगी। जो कि नगर के लिए अत्याधिक उचित होगा। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता जोश सिंह ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी, झुन्ना ठाकुर, अरूण पांडे टोनी मिश्रा अमन राजपूत अक्षत झारिया युवक कांग्रेस वि.स. उपाध्यक्ष टीकाराम तुमराली उपस्थित रहे बल्लू चौबे शिव यादव राजा फुटवेयर समेत सैकड़ो व्यापारी उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया के अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी का कहना है कि नगर परिषद बिछिया का नया कारनामा सामने आया है, दिनांक 09/03/26 को न्यायालय तहसीलदार महोदय बिछिया के द्वारा एक इश्तहार जारी किया गया था जिसमें यह बतलाया गया है कि आवेदक मुख्य नगर पालिका अधिकारी भुआ बिछिया के द्वारा नवीन बस स्टैंड निर्माण प्रयोजन हेतु भूमि आवंटित करने हेतु प्रारूप-एक में कलेक्टर जिला मंडला के समक्ष आवेदन पेश किया गया है। उक्त भूमि आवंटन के संबंध में जांच हेतु अनुविभागीय दंडाधिकारी (राजस्व) बिछिया के माध्यम से तहसीलदार महोदय को प्राप्त हुआ है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी महोदय बिछिया को यह आवेदन की क्या आवश्यकता थी? क्यों बस स्टैंड को हटाना चाहते हैं? यदि हटाना ही है तो क्या बिछिया मण्डी को हटाकर स्टैंड को बड़ा नहीं किया जा सकता है? क्या मंडी के स्थान पर नया स्टैंड नहीं बनाया जा सकता है। यदि नगर परिषद बिछिया बस स्टैंड को स्थानांतरित कर नया बस स्टैंड निर्माण कार्य किया जाता है तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया पुरजोर विरोध करेगी, उग्र विरोध प्रदर्शन करेगी जिसकी संपूर्ण जवाबदारी नगर परिषद बिछिया की होगी।

तैयारी राज्यपाल के प्रस्तावित दौरे को लेकर कलेक्टर व एसपी ने किया विस्तृत निरीक्षण।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का राज्यपाल करेंगे स्वागत

*** चयनित पशुपालकों को एक-एक दुधारू पशु प्रदान करेंगे।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

राज्यपाल मंगु भाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में 1 अप्रैल को बिछिया के कन्हारीकला में आयोजित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा ने कन्हारीकला पहुंचकर कार्यक्रम स्थल सहित समस्त व्यवस्थाओं का विस्तृत एवं सूक्ष्म निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण की शुरुआत बिछिया में बनाए गए हेलीपैड स्थल से की गई, जहां उन्होंने आगमन एवं प्रस्थान व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान बैरिकेडिंग, सुरक्षा घेरा, वीआईपी मूवमेंट रूट एवं ग्रीन रूम की व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं।

इसके पश्चात कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर विभागीय प्रदर्शनियों के स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि प्रत्येक विभाग अपने स्टॉल में शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करे, जिससे आमजन को अधिकतम जानकारी प्राप्त हो सके। इसके लिए पशुपालन, जनजातीय कार्य विभाग, वन विभाग, आयुष विभाग, कृषि, उद्यानिकी, एनआरएलएम सहित अन्य विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाई जा रही है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग द्वारा हेल्थ चेकअप, दिव्यांगता प्रमाण पत्र और सिकल सेल एनीमिया के मरीजों का उपचार भी किया जाएगा।

इन कार्यक्रमों में शामिल होंगे राज्यपाल

राज्यपाल श्री पटेल यहाँ पशुपालन विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना के अंतर्गत मंडला, बालाघाट एवं डिंडोरी जिले के चयनित पशुपालकों को एक-एक दुधारू पशु प्रदान करेंगे। शासकीय स्कूलों में आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करेंगे एवं उन्हें प्रोत्साहित करेंगे। पीएम जन मन योजना के तहत आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण भी करेंगे।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समयसीमा में तैयारियाँ पूर्ण करें तथा प्रत्येक व्यवस्था में गुणवत्ता एवं अनुशासन बनाए रखें। उन्होंने कहा कि यह दौरा जिले के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, अतः सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन गंभीरता एवं सजगता के साथ करें। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, पुलिस अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्हें उनके दायित्वों के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

खबर संक्षेप

सर्वर डाऊन रहने से परेशान हो रही लोग, शासन की सुविधा बन रही दुविधा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। सरकार द्वारा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की सोच के चलते अब सभी प्रकार के शासकीय कार्यो को आन लाइन व्यवस्था से जोड़े जा रहे है, मगर ग्रामीण क्षेत्रों में यह व्यवस्था आम लोगों के लिए सुविधा की जगह दुविधा बनने में कोई कसर नही छोड़ रही है? बताया जाता है कि इस समय जहां किसानों के अनाज खरीद कार्य करने के लिए सरकार द्वार चलाई जा रही अनेक योजना से लेकर छात्र छात्राओं के लिये अनेक प्रतियोगिता परीक्षाओं के साथ स्कूल कालेजो में प्रवेश सहित अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये पंजीयन व फार्म भरने का कार्य चल रहे है। वही सेवा सहकारी समितियों में अपने उपभोक्ताओं के लिए खाद्यान्न वितरण कार्य भी मशीनों के माध्यम से किया जा रहा है। जिसके चलते देखा जा रहा है कि सेवा सहकारी समितियों में प्रतिदिन अपना रजि. कराने वाली किसानों की भीड़ लग रही हैं। मगर यहां पर आये दिन सर्वर डाऊन होने के कारण किसानों के रजि. नही हो पाने की स्थिति में उन्हें खाली हाथ अपने घरों को लौटने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? कुछ इसी प्रकार की स्थिति उन गरीबों की भी देखने मिल रही है जो सेवा सहकारी समिति में जब वह अपना खाद्यान्न लेने पहुंचते है तो वहां पर अनेक लोगों के पी ओ एस मशीन में फिंगर प्रिंट मेल नही खाने के कारण उनकी पर्ची नही मिलकर पा रही है। इस प्रकार से शासन द्वारा अच्छी सोच के चलते शुरू की गई यह सुविधा अब किसानों के साथ साथ आम लोगों के लिए दुविधा साबित होने में कोई कसर नही छोड़ रही है? वही दूसरी ओर इस तरह से सर्वर में आ रही तकनीकी खराबी के चलते यहां पर कार्य करने वाले लोगों को आम उपभोक्ताओं के कोप का शिकार होना पड़ रहा है, जिसके चलते हितग्राही व सोसाईटी में कार्य करने वाले लोगों का कहना है कि सर्वर डाउन और फिंगर की समस्या के लिए बैकल्पिक व्यवस्था होना चाहिए जिससे सभी लोगों को आसानी से शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके मगर ऐसा नही हो पाने की स्थिति में लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस समस्या के निदान की ओर न तो अधिकारी ध्यान देते हुये जान पड़ रहे है और नही क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिधि?

बेरोजगारों को भ्रमित कर रही हैं कंपनियाँ, शहरों बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों में फैलाया जा रहा अपना गोरखधंधा

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगार युवकों को ठगने का सिलसिला खुलेआम देखने मिल रहा है? जिसमें जिसमें देखा जा रहा है कि आये दिन नित्य नयी नयी कंपनियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पैर पसार रही हैं और बेरोजगार युवकों को बहला फुसलाकर उन्हें रातो रात लखपति बनाने का सपना दिखाते हुये अपने जाल में फाँस रही हैं और ताज्जुब की बात तो यह है कि इन कंपनियों के ऐजेंट शहरों से लेकर गाँव गाँव तक घूमकर बेरोजगारों को सुनहरे सपने दिखाते हैं और उन्हें कुछ ही महीनों में लखपति बनने के आसमानी सपने दिखाकर उनसे एक मुश्त रकम लेकर उनको अपना एजेन्ट बना लेते हैं। इस तरह से क्षेत्र में अनेक कंपनियाँ अपना रोजगार फैलाये हुये हैं। लोगों का आरोप है कि इन तथा कथित कंपनियों के उत्पाद इतने महँगे हैं कि इन्हें खरीद ही नहीं सकते चूँकि जो भी व्यक्ति रकम जमा कर इन कंपनियों का एजेन्ट बन जाता है तो उसे दूसरा एजेन्ट बनाने का कार्य दिया जाता है और वह निकल जाता है किसी बेरोजगार को अपना एजेन्ट बनाने और कम से कम समय में लखपति बनाने के रंगीन सपने दिखाकर दूसरे को भी फाँस लिया जाता है और बोला ताजा है कि तुमको घर बैठे पैसा मिलेगा एक बार इस काम को शुरू तो करो फिर देखना कितनी कमाई होती है,क्योंकि जो एजेन्ट दूसरा एजेन्ट नहीं बनाता है उसे कमीशन नहीं मिलता है इसलिये एक दूसरे को फँसाते रहते हैं।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में नियमों को दरकिनार कर स्थापित किये गये मोबाईल टावर में नहीं है सुरक्षा के इंतजाम, आये दिन तत्व चढ़कर पैदा कर देते हैं सनसनी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जहां एक ओर इस समय लोगों में अनेक प्रकार की नई नई बीमारी आये दिन जकड़ते हुए देखी जा रही है, उसका प्रमुख कारण यह माना जाता है कि लगातार बढ़ रही भौतिक बादी सुविधाओं की प्रमुख देन है। क्योंकि जहां लोगों द्वारा खान पान का ध्यान नही रखा जा रहा है। वही दूसरी ओर आमजन के लिए सुविधा जनक माने जाने वाले साधनों से पैदा होने वाली तरंगे भी बीमारियों का प्रमुख कारण साबित होने से नही चूक पा रही है? वही दूसरी ओर बताया जाता है कि जिस प्रकार से शहरों में रहवासी क्षेत्रों में जो मोबाईल टाबरों की स्थापना हो रही है जो कही न कही अनेक प्रकार की बीमारियों को बढ़ावा देने में प्रमुख रूप से सामने आने से नही चूक पा रही है? विशेषज्ञो के अनुसार सेल फोन टॉवरों से भी मानव शरीर को विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है, जिसे ध्यान में रखते हुए शायद पूर्व में मा. न्यायलय द्वारा इन्हे स्थापित करने के लिए निर्धारित मापदंडों का पालन करने का आदेश दिया गया था। मगर शायद ही उस आदेश का कही पालन होते हुए दिखाई दे रहा हो...? क्योंकि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किये गये अनेक टावरों की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई है कि जहां इन टाबरों में रात के समय लाल सिंग्नल ही नजर नही आ रहे है तो वही दूसरी संबंधित द्वारा न इन टावरों को रख रखाब किया जा रहा है और नही ही इनकी पुताई की जाती है जा रही है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि संबंधित विभाग द्वारा इन टाबरों की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार से कोई प्रबंध नही किये जाने के कारण लोग इन पर चढ़कर आंतक मचाते हुये भी देखे जाने लगे है...? जिसकी सच्चाई बीते हुये वर्ष गाडरवारा व सांईखेड़ा व डोगरगांव पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले ग्राम पपरा के बाद समीपस्थ ग्राम गोटीटोरिया में भी देखने मिल चुकी है। जबकि नियम के अनुसार इन टाबरों की सुरक्षा के लिये संबंधित कंपनी के द्वारा चौकीदार नियुक्त होता है तो दूसरी ओर ऊँचाई स्पष्ट करने के लिये सफेद व लाल रंग में पुताई करने का नियम होता है..? मगर शहर से लेकर गांव गांव स्थापित किये गये इन टाबरों में न तो कोई सुरक्षा कर्मी नजर आते है और न ही इनकी पुताई की जा रही है जिसके चलते लोगों को नजर ही नही आते है। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि जहां तहां स्थापित होने वाले इन सेल टाबरों से होने वाले दुष्प्रभाव को लेकर नगरीय क्षेत्रों में सेल फोन टॉवर स्थापित करने के लिये म.प्र. मानव अधिकार आयोग ने कम से कम ऐसे भूखंडों का चयन करने को प्राथमिकता देने की अनुशंसा की गई है, जिनका आकार ढाई सौ फूट हो, इन भूखंडों पर सेल फोन टॉवर के लिये स्थापित की जाने वाली मशीनों और जनरेटर से 100 फूट की त्रिज्या में कोई भी रहवासी आवास न हो और टॉवर स्थापित करने के लिए जनरेटर की चिमनी की ऊंचाई न्यूनतम 30 फूट अथवा पास की ऊंचे आवासीय भवन से 20 फूट अधिक होना चाहिए? वही बताया जाता है कि पूर्व में ही इस संबंध में आयोग ने सिफारिश की गई थी कि ढाई हजार वर्ग फूट तक के आवासीय भूखंडों पर स्थपित टॉवर तत्काल हटाये जाने चाहिये तथा रिहायशी कॉलोनियों में मकानों की छात पर स्थपित टॉवरों से लोगों की जान और माल की क्षति का खतरा बना रहता है। इसलिए टॉवरों की ऊंचाई इतनी हो कि उनके गिरने से कोई जनहानि न हो साथ ही साथ टॉवर स्थापित किये जाने वाले स्थान को वायर फैसिंग और चार दीवारी बनाकर सुरक्षित रखा जाना चाहिये तथा विद्युत या डीजल जनरेटर से संचालित होने वाले टॉवरों में ध्वनि प्रदूषण न हो इसका विशेष ध्याान रखा जाना चाहिये? जानकारी के अनुसार आयोग की पहल पर शासन ने सेल फोन टॉवर से निकलने वाली विद्युत चुंबकीय विकिरणों के दुष्प्रभावों का अध्ययन करने के लिये विशेषज्ञों द्वारा स्पष्ट किया गया है कि ये विद्युत चुम्बकीय विकिरणें माताओ, गर्भस्था में शिशुओं ओर बालकों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल सकती है? मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में निजी कंपनियों द्वारा अपनी मनमर्जी के अनुसार टाबर खड़े कर दिये गये है जहां पर लोग निवास करने के शिक्षण संस्थाओं के आलवा स्वास्थ्य केन्द्र भी मौजूद है। अनेक जगहों पर तो इस प्रकार से देखा जाता हे कि जहां पर सेल फोन टाबर लगे है उन्ही भवनों में स्कूल संचालित हो रहे है साथ ही साथ नगर में अनेक रहवासी इलाकों में टाबर खडे करने से आमजनों के लिए परेशानी का कारण साबित हो रहे है? इस प्रकार से निर्धारित माप दंडो को दर किनार करते हुए शहर से लेकर गांवों में स्थापित किये गये टाबर अपनी सच्चाई खुद ही उजागर करने से नही चूक रहे है..? जिनका जहां दिन के समय कलर ही दिखाई न देता है और रात के समय लाल सिंग्नल तक गायब रहता है। वही दूसरी ओर टाबरों के पास किसी भी प्रकार से कोई सुरक्षा कर्मी मौजूद न रहने के कारण आये दिन लोग इन टाबरों पर चढ़कर हंगामा खड़ा करने से भी नही चूक रहे है। मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके चलते लोगों में अनेक प्रकार की बीमारियाँ होने की संभावना के साथ साथ बगैर सिंग्नल वाले टाबरों से किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? जहां तहां स्थापित हो रहे टाबरों को लेकर लोगों का कहना है कि निजी कंपनियों द्वारा आम लोगों को जरा से धन का प्रलोभन देते हुए उनके भवनों पर टाबर खडा करने के लिए तैयार तो कर लेते है, मगर वह मकान मालिक जरा से धन के लालच में आकर अपने भविष्य को दाब पर लगाने से भी नही चूक रहे है।

कुछ साल पहले पंचातयों द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुये हरियाली उत्सव के नाम रौपे गये पौधों का हाल खोजो तो जाने...

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि इस योजना के तहत बीते हुये वर्षो में प्रत्येक ग्राम पंचायत मे लगाए गये पेड़ों से क्षेत्र हरित जिले मे स्थान पा सकेगा, लेकिन आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तों गायब ही है साथ ही उनके लिए बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे है, जिस कारण क्षेत्रवासियों का यह समना ग्राम पंचायतों के पिछली पंचवर्षीय कार्यकाल के दौरान सरपंच, सचिवों एवं योजना को लागू करने वाले अधिकारी एवं उपयांत्रियों की मनमानी की भेंट चढ़ गया है। जानकारी अनुसार क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बमुश्किल पचास प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नही है। वही दूसरी और क्षेत्र की अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके है और उनके लिए बनाए गए प्लेट फार्म टूटकर विखरने लगे है। उल्लेखनीय है कि बीते हुये वर्षो में क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ानें के उद्देश्य से बड़ी संख्या मे पेड़ लगाए गए थे जिसके लिए करोड़ो रूपये का बजट खर्च किया गया है। इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखो रूपये की राशि खर्च की गई है। लेकिन इस खर्च का कोई मतलब नही दिखाई दे रहा है? बीते हुए वर्षो में इस योजना के अंतर्गत की अनेक ग्राम पंचायतों मे पौधें लगाने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन ट्री गार्ड के निर्माण कार्यो में अनेकों ग्राम पंचायतो मे अनियमितता बरती गई है? जिसका जीता जागता उदाहरण जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा व चावरपाठा की अनेक ग्राम पंचायतों में जाकर देखा जा सकता है। हैरत की बात तो यह है कि क्षेत्र के आला अधिकारी भी इस विषय की जानकारी रखते हुये भी इस ओर कड़े कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधें हुये है, क्षेत्र मे जहां कही भी हरियाली महोत्सव के नाम राशि को खर्च किया गया था। वही यह योजना दम तोड़ चुकी नजर आ रही है। काबिल गौर है कि रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरों को काम मुहैया कराने व विकास के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई थी। लेकिन जहां कही भी यह योजना हर वर्ष हरियाली महोत्सव के नाम पर चलाई गई वहां परिणाम केवल कागजों मे सिमट कर रह गए है। वही दूसरी ओर ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया जावे तो वहां की वस्तु स्थिति कुछ अलग बयां कर रही है कि ट्री गार्ड तो निर्माण करवाये गए थें। लेकिन पौधे तैयार नही हो सके,क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों मे जाकर देखा जाए तो ट्री गार्ड के नाम पर इस राशि का बंदरवाट जमकर किया गया है? वही कुछ पंचायातों में तो ट्री गार्ड के नाम से राशि निकालकर पौधों के चारो ओर बेसर्म की बाड़ी लगा दी गई थी, जिससे पैसा की जगह बेसर्म तैयार हो गई है। पूर्व के पंचायती राज कार्यकाल के समय मे रहे सरपंच और सचिव तथा अधिकारियों की मिली भगत दिखाई दे रही है, इसके लिए समूचा प्रशासन तंत्र व ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधियों की अनियमितताएं खुले रूप मे उजागर हो रही है? विभिन्न ग्राम पंचायतों के विगत पंचवर्षीय मे सरपंच, सचिव व अधिकारियों की इस घोर अनियमितता के चलते क्षेत्रवासियों का हरित क्रांति का सपना अधूरा रह गया है।

हर गॉव में खेल मैदान बनाने की योजना आखिर कहां हो गई गायब, कही कागजों में बनकर तैयार तो नहीं हो रहे है खेल मैदान..?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेडा।

केन्द्र सरकार की हर गांव मे खेल मैदान बनाने की योजना पायका के अंतर्गत कागजों पर ही खेल मैदान बनाने की योजना काजगतों पर ही खेल मैदान बनाये जा रहे है, क्योंकि लगभग सात वर्ष पहले लागू हुई इस योजना के तहत अभी तक एक भी खेल मैदान नजर नही आ रहा है जो इस योजना से बनकर तैयार हुआ हो? जानकारी के अनुसार वर्ष 2008-09 मे केन्द्र सरकार द्वारा पंचायत युवा क्रीड़ा खेल अभियान पायका के तहत गॉवों मे खेल मैदान बनाने की योजना तैयार की गई थी, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों मे खेल गतिविधियों ओर खिलड़यिों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्र सरकार के निर्देश पर 5 हजार से अधिक की जनसंख्या वाले गॉवों मे खेल मैदान बनाए जाना था। सिखाऍगे खेल के गुर- बताया जाता है कि इस योजना के तहत चिन्हित ग्राम के सरकारी स्कूलों मे खेल मैदान तैयार किए जाने थे, जिनमे संविदा के आधार पर 500 रूपए प्रतिमाह पर एक प्रशिक्षक की भी नियुक्ति की होनी थी? इनकी नियुक्ति के लिए एक समिति के गठन का भी प्रावधान था। वही बताया जाता है कि इस समिति मे ग्राम पंचायत सरपंच,सचिव और स्कूल के प्राचार्य शमिल होगे। इस प्रशिक्षक को क्रीड़ाश्री नाम दिया गया है। यह प्रशिक्षक मैदान बनने के बाद बच्चों को विभिन्न प्रकार के खेलों के गुर सिखाने के साथ साथ विभागीय गतिविधियों को भी संचालित करेगा। वही बताया जाता है कि 10 वर्षीय इस योजना मे ग्राम पंचायत मे स्कूल खेल मैदान एवं सुविधाओं के विकास हेतु केन्द्र सरकार द्वारा राशि आवंटित की जाएगी, जिसमे गठित कार्यकारी समिति खेल मैदान का निर्माण,खेल सामग्री,मल्टी जिम आदि पर व्यय करेगे,लेकिन इन सभी गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए केन्द्र सरकार से आवंटन प्राप्त नही हुआ है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2008-09 मे केन्द्र सरकार द्वारा पंचायत युवा क्रीडा खेल अभियान के तहत गॉवों मे खेल मैदान बनाने की योजना तैयार की गई थी जो ग्रामीण क्षेत्रों मे खेल गतिविधियों और खिलडियों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्र सरकार के निर्देश पर हजार से अधिक की जनसंख्या वाले गांवों खेल मैदान बनाए जाना थे, मगर इस योजना की शुरूआत होते होते कई वर्ष निकल गया, मगर अनेक पंचायतों में अभी तक न तो खेल मैदान दिखाई दे रहा है और नही पंचायतें इस योजनाओं को सफल बनाने में दिखाई जान पड़ रही है। कही ऐसा तो नही कि यह योजना मात्र कागजों में चलते हुये युवाओं को राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बनाते हुये सरकारी धन की होली खेली जा रही हो...?

लापरवाही देती है बड़ी घटनाओं को अंजाम, अधिकारियों की अनदेखी का परिणाम भोगती है आम जनता

हरिभूमि न्यूज/ चीचली।

जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो अपना पूरा जोश लगाया जा रहा है, मगर वही दूसरी ओर क्षेत्र के फैली बिजली लाईनों के सुधार कार्य से लेकर उनके रख रखाब में इस प्रकार की उदासीनता बरती जाती है कि जहां तहां झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली आग की चिंगारियों से किसानों के खेतों में जहां खड़ी हुई फसले जलकर खाक हो जाती है या फिर बिजली से लगने वाले करेन्ट के कारण लोगों को बेमौत काल के गाल में समाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर बिजली विभाग के उदासीनता के चलते मुख्य मार्गो पर झूलते हुए बिजली तारों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि कभी भी कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? बताया जाता है कि क्षेत्र के किसानों द्वारा अपनी सुरक्षा के लिए अपने स्तर पर लकड़ी के खम्बा लगाते हुए व्यवसथा बनाई गई है जिसके चलते क्षेत्र की बिजली सिर्फ लकड़ी के खम्बों भरोसे चलते हुए जान पड़ रही है? इस बात की सच्चाई इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिल रही है जहां पर बताया जाता है कि किसानों के लिए बनी हुई सार्वजनिक रास्ते के ऊपर बिजली तार इस प्रकार से झूलते हुए नजर आ रहे है कि उन तारों से कभी भी कोई वाहन टकरा सकता है, इस बात की जानकारी बिजली विभाग के बड़े अधिकारियों से लेकर छोटे कर्मचारियों को होने के बाद भी किसी भी प्रकार का सुधार नही किये जाने से इस बात का अंदेशा लग रहा है कि शायद बिजली विभगा के अधिकारी क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार कर रहे है?

पार्किंग व्यवस्था न होने से सड़क किनारे खड़े रहते वाहन, स्कूली बच्चों, राहगीरों का निकलना मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

वर्तमान में आबादी बढ़ने के साथ शहर का तेजी से विकसित होता चला जा रहा है, आपा धापी वाले दौर में वाहनो की लगातार संख्या बढ़ने से पुलिस की लाख कोशिश करने के बावजूद यातायात व्यवस्था पटरी पर नही आ पा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के अनेक सरकारी कार्यालयो के पास, बैंक शाखाओं के इर्दगिर्द, बाजार, मैरिज हालो के सामनें पार्किंग व्यवस्था की कमी के चलते शहर में चहुँओर अव्यवस्था का आलम नजर आ रहा है। गौरतलब है कि महत्वपूर्ण माने जाने वाले कार्य इन स्थलो पर वाहन स्टेण्ड न होने तथा बैंक शाखाओं में पार्किंग के इंतजाम न होने सें सड़को के किनारें प्रतिदिन वाहनो की कतारें लगी नजर आती है, जिसमें प्रमुख रूप से नगर की स्टेट बैंक शाखा व पुलिस थाने के सामने तो कभी इतने वाहन खड़े हो जाते है कि उक्त बैंक शाखा के सामने की व्यस्ततम माने जाने वाली आधी सड़क ही वाहनो के घेरे में आ जाती है, जिससे आटों, अन्य वाहन चालकों के साथ ही जरूरी काम से नपा. कार्यालय जाने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है,नगर में पार्किंग व्यवस्था को अभाव की हालत में वाहन मालिक तो कही भी वाहन खड़े कर बेफिक्र हो जाते है मगर इसका खामियाजा राहगीरो व स्कूली बच्चो को भुगतना पड़ता है। बताया जाता है कि सड़कों पर अनगिनत वाहन खड़े रहने सें नागरिको के साथ स्कूली बच्चो को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है, भारी बस्तो का बोझ कंधो पर लादे अपनी शालाओ में जाने बच्चे सड़को पर खडे दोपहिया वाहनो के बीच जैसे तैसे गुजर स्कूल पहुँचने मजबूर हो रहे है। ज्ञातव्य है कि अखबारो में खबरे प्रकाशित होने, पूर्व में कई वाहनों के चोरी होने के बाद भी विभाग, संस्थाऍ अपने सीमा क्षेत्र में पार्किंग की व्यवस्था करने में उदासीनता का परिचय दे रही है और पार्किंग व्यवस्था की कमी के चलते दुर्घटनाओं की आशंका के साथ शहर के घोर अव्यवस्था के हवाले होने के आसार बनते जा रहे है।

बालश्रम कानून का नहीं हो रहा पालन, यह योजना मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रह गई?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन द्वारा बाल मजदूरी रोकने जारी निर्देशों का पालन कराने मे जहां जिला प्रशासन नाकाम रहा है वही बाल श्रमिकों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी संबंधितों को नही मिल पा रहा है। जबकि पूर्व मे कारखाना अधिनियम 1948, खदान अधिनियम 1952 जहाज अधिनियम 1958, वृक्षारोपण अधिनियम 1961 तथा मोटर परिवहन श्रम अधिनियम के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के कारखानों एवं खदानों, मोटर यातायात आदि पर काम मे लगाना वर्जित है, वही हर वर्ष एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है, मगर आजादी के बाद भी बाल श्रमिकों की किसी भी श्रमिक संगठन को याद नही आई, जिन बच्चों के हाथ मे किताब कापी होना चाहिए उन्हे पेट भरने के लिए कचरा बीनना, सिर पर लकड़ी का गट्ठा ढोना, होटलो मे कम प्लेट धोना आदि नियति बन चुकी है, जिले मे तमाम बाल श्रमिकों की तादात लगातार बढती जा रही है, इसके बावजूद भी जिले के श्रमिक कार्यालय मे बच्चों के सही आंकड़े तक मौजूद नही है, इस तरह गरीबी व अज्ञानता के चलते आज भी इस प्रकार से हजारों बच्चों का स्कूल से नाता जुड़ नही पाया है। उन्हे दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए स्वयं कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है,शासन द्वारा जहां साक्षरता का अलख जगाने के लिए गांव गांव मे स्कूल खोले गये है तथा बच्चों को मेहनत मजदूरी से अलग रखा गया है फिर भी गरीबी के चलते बच्चे सरस्वती के वरदान से वंचित है।

खबर संक्षेप

चांदनी नरेती ने बढ़ाया जिले का मानए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में जीता ब्रॉन्ज मेडल

डिंडौरी न्यूज । जिले के चंद्रविजय कॉलेज डिंडोरी की प्रतिभाशाली छात्रा चांदनी नरेती ने छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत 62किलोग्राम वर्ग कुश्ती प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया है। इस उपलब्धि से पूरे जिले में खुशी का माहौल है। चांदनी नरेती ने कड़े मुकाबलों के बीच अपने हुनर और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए यह सफलता अर्जित की। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल कॉलेज बल्कि पूरे डिंडोरी जिले का नाम प्रदेश और देश स्तर पर रोशन किया है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने चांदनी नरेती को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि चांदनी की यह सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है और आने वाले समय में और भी युवा खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। स्थानीय जनप्रतिनिधियोंए खेल प्रेमियों एवं शिक्षकों ने भी चांदनी नरेती को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कोतमा में पत्रकार परिषद का चुनाव 4 अप्रैल को, संगठन सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद, ब्लॉक कोतमा द्वारा संगठनात्मक मजबूती के उद्देश्य से ब्लॉक अध्यक्ष पद के निर्वाचन की घोषणा कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति भी कर दी गई है। जारी निर्वाचन सूचना के अनुसार दिवाकर विश्वकर्मा को निर्वाचन अधिकारी तथा आशीष द्विवेदी को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। दोनों अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न कराएं। यह निर्वाचन 04 अप्रैल शनिवार को दोपहर 12 बजे वाचनालय, स्टेशन के पास कोतमा में आयोजित किया जाएगा। परिषद के सभी अधिकृत सदस्यों से अपील की गई है कि वे समय पर उपस्थित होकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि संगठन को मजबूत नेतृत्व मिल सके। यह आदेश जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश मिश्रा द्वारा जारी किया गया है, जिसमें सभी सदस्यों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया गया है।

कलेक्टर के निर्देश पर पयारी विद्यालय में सुधरा हैंडपंप, जल संकट से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के फुनगा क्षेत्र अंतर्गत हनुमान मंदिर के समीप स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पयारी में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ था। विद्यालय परिसर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा लगभग एक वर्ष पूर्व हैंडपंप के लिए खनन कार्य कराया गया था, लेकिन सेट नहीं लगाए जाने के कारण हैंडपंप अनुपयोगी पड़ा था। इससे छात्राओं एवं शिक्षकों को पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। मामले की जानकारी संज्ञान में आते ही कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने तत्काल कार्यवाही करते हुए हैंडपंप को सुधारकर चालू कर दिया। हैंडपंप के सुचारू रूप से शुरू होने के बाद विद्यालय में पेयजल संकट समाप्त हो गया है, जिससे विद्यार्थियों और स्टाफ को बड़ी राहत मिली है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 38 आवेदकों की सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 38 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी।

25 आवेदनों पर हुई सुनवाई, भूमि विवाद से लेकर मूलभूत सुविधाओं तक मुद्दों पर प्रशासन सक्रिय

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिलेभर से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना गया। जनसुनवाई के दौरान कुल 25 आवेदन प्राप्त हुएए जिन पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

डिंडौरी न्यूज।

अधिकारियों ने मौके पर ही कई प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा.निर्देश जारी किए। इस दौरान भूमि विवादए सीमांकनए नक्शा सुधारए अतिक्रमण और निर्माण कार्यों में अनियमितता से जुड़े मामले प्रमुख रूप से सामने आए। ग्राम जमुनिया के पुहुप सिंहए ईश्वर सिंह एवं रमेश सिंह ने भूमि के नक्शा सुधार में हो रही देरी की शिकायत कीए जिस पर सीईओ जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी ने राजस्व अधिकारियों को तत्काल जांच कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।वहींए ग्राम राखी निवासी गुलाब सिंह ने दुकान में तोड़फोड़ और मारपीट की शिकायत दर्ज कराईए जिस पर एसडीएम शहपुरा को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। ग्राम छांटा में निर्माण कार्य को लेकर विवाद एवं सीमांकन की समस्या पर भी राजस्व विभाग को निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त निजी भूमि पर तालाब निर्माण की शिकायत को भी गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश जारी किए गए। जनसुनवाई में ग्रामीण क्षेत्रों से पेयजलए नालीए सड़कए बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव की शिकायतें भी बड़ी संख्या में सामने आईं। ग्रामीणों ने बताया कि इन समस्याओं के कारण उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। प्रशासन ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का समय.सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ हीए हर प्रकरण में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखते हुए आवेदकों को त्वरित राहत प्रदान की जाए। जनसुनवाई के माध्यम से आम नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर मिलाए जिससे शासन और जनता के बीच विश्वास को और मजबूती मिली है।

भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम का आयोजनए अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

डिंडौरी न्यूज।

मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा.निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणए होमगार्डए नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के तत्वाधान में जिले में भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 मार्च से 31 मार्च 2026 तक संचालित किया गयाए जिसके अंतर्गत 31 मार्च को द्वितीय एवं तृतीय बैच का प्रशिक्षण आयोजित हुआ। प्रशिक्षण सत्र में विभिन्न विभागों के अधिकारी.कर्मचारीए नेहरू युवा केंद्र के पदाधिकारी एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राहत शाखा प्रभारी श्री वैधनाथ वासनिक द्वारा भूकंप एवं आपदा प्रबंधन की मूलभूत जानकारी प्रदान की गई। इसके पश्चात श्री शिवराज पंद्रे ने भूकंप की उत्पत्तिए कारणए तथा भूकंप से पूर्वए दौरान एवं पश्चात किए जाने वाले उपायों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर आवश्यक तैयारियोंए फर्स्ट एड किट के संधारणए संभावित जोखिमों से बचावए तथा भूकंप के समय अपनाई जाने वाली श्झुको.रुको.पकड़ोश ;क्तवचए ब्वअमतए भ्वसकद्ध विधि के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ हीए ध्वस्त संरचनाओं में सुरक्षित स्थानों की पहचान एवं खोज.बचाव कार्यों के महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अंत में जिले में पूर्व में आए भूकंप एवं उससे हुए प्रभावों की जानकारी पीपीटी के माध्यम से साझा की गई।

कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर श्री जेण्पीण यादवए डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी राहत शाखा श्री वैधनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला टास्क फोर्स की बैठक में पलायन रोकने और श्रमिकों की सुरक्षा पर मंथन

. ग्राम पंचायत में पंजीयन अनिवार्य

डिंडौरी न्यूज ।

कलेक्टर सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिव्यंशु चौधरीए पुलिस अधीक्षकए श्रीमति वाहनी सिंह ए जिला श्रम कार्यालय डिंडौरीए महिला एवं बाल विकासए जिला शिक्षा अधिकारीए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारीए सहायक आयुक्त जनजातीय कार्यविभागए अग्रणी जिला प्रबंधक एवं एनजीओ जनसाहस की उपस्थिति में जिला टास्क फोर्स समिति एवं जिला सतर्कता समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में श्रम विभाग द्वारा पिछली समिति बैठक दिनांक 05 जनवरी 2026 के बाद की गई कार्यवाहियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। इसमें विशेष रूप से बाल श्रम एवं बंधक श्रम ;उन्मूलनद्ध अधिनियम 1976 के अंतर्गत चलाए गए जागरूकता अभियानए शिविर तथा विभिन्न स्थलों पर किए गए निरीक्षणों का विवरण शामिल रहा।

बैठक का मुख्य एजेंडा जिले से अन्य जिला एवं राज्यों में कार्य हेतु पलायन करने वाले श्रमिकों से संबंधित रहा। इस दौरान श्रम विभाग ने बताया कि बाहर काम करने जाने वाले श्रमिकों को पेसा एक्ट 1996 के तहत गठित समिति या ग्राम पंचायत में अपनी पूरी जानकारी दर्ज कराना अनिवार्य है। इसमें कार्यस्थल का पताए नियोजक ;मालिकद्ध का नामए श्रमिकों की संख्याए नाम एवं आधार कार्ड जैसी जानकारी शामिल है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने निर्देश दिए कि इस विषय को गंभीरता से देखते हुए सभी संबंधित निकायों को अवगत कराया जाए और सुनिश्चित किया जाए कि श्रमिक निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें। बैठक में श्रमिकों की सुरक्षाए पारदर्शिता एवं शोषण की रोकथाम पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दियें।

डिंडौरी में तीन हाथियों का मूवमेंट गांव गांव अलर्ट, 6 टीमें निगरानी में जुटीं

हाथियों से 250 मीटर दूरी रखने की अपील

डिंडौरी।

सामान्य वनमंडल डिंडौरी अंतर्गत वनपरिक्षेत्र डिंडौरी में तीन हाथियों के विचरण से क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है। वन विभाग के अनुसार ये हाथी कुई से होते हुए रामगुड़ाए त्यागपुरए सारसतालए गोपालपुरए बांसी देवरीए देवकरा एवं मिगड़ी के जंगलों में लगातार मूवमेंट कर रहे हैंए जिससे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

वनमंडलाधिकारी श्री अशोक कुमार सोलंकी एवं उपवनमंडल अधिकारी श्री सुरेन्द्र सिंह जाटव के निर्देशन में हाथियों की निगरानी और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए छह विशेष टीमें लगातार क्षेत्र में तैनात हैं। वरिष्ठ अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं और गांव.गांव जाकर वन समितियों एवं ग्रामीणों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा.निर्देश दे रहे हैं।

स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए वन विभाग ने श्हाथी मित्र दलश का गठन किया हैए जिसमें स्थानीय ग्रामीणों को शामिल कर उनकी मदद ली जा रही है। ये दल हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखनेए समय पर सूचना साझा करने और लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। आपात स्थिति से निपटने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीम भी सक्रिय कर दी गई हैए जो किसी भी सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई कर रही है। वहींए हाथियों की सुरक्षित आवाजाही और जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्युत विभाग के साथ समन्वय कर जरूरत पड़ने पर बिजली आपूर्ति और प्रकाश व्यवस्था अस्थायी रूप से बंद कराई जा रही है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए चिकित्सा विभाग को भी अलर्ट पर रखा गया हैए ताकि दुर्घटना या जनहानि की स्थिति में तुरंत एम्बुलेंस और उपचार उपलब्ध कराया जा सके। इसके अलावाए यदि हाथियों द्वारा फसलए मकान या अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचता हैए तो राजस्व विभाग के साथ मिलकर त्वरित सर्वे और मुआवजा प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। इस पूरे अभियान में वनए राजस्वए पुलिसए विद्युत और स्वास्थ्य विभाग आपसी समन्वय से लगातार कार्य कर रहे हैं। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे हाथियों से कम से कम 250 मीटर की दूरी बनाए रखें। किसी भी हालत में उनके पास न जाएंए न ही उन्हें उकसाएं। फोटो या वीडियो लेने के चक्कर में अपनी जान जोखिम में न डालें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को सूचना दें।

सवालों के घेरे में 2.80 लाख का कन्या शौचालय निर्माण कार्य

अमरपुर।

जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर क्षेत्रांतर्गत प्राथमिक शाला मोहनझिर रैयत में कन्या शौचालय निर्माण कार्य में गंभीर अनियमित्ताओं का ताजा मामला प्रकाश में आया हैं। शासकीय प्रावधान के तहत 2 लाख 80 हजार रुपये स्वीकृत होने के बावजूद निर्माण की गुणवत्ता बेहद खराब बताई जा रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार शौचालय की जुड़ाई में लगाया गया मसाला हाथ लगाते ही झड़ रहा हैं। जबकि खुदाई भी केवल औपचारिक रूप से की गई हैं।

विद्यालय परिसर में निर्माण सामग्री बेतरतीब ढंग से पड़ी होने के कारण रसोई कक्ष उपयोग में नहीं आ पा रहा हैं। ऐसे में छात्राओं के पढ़ने वाले कक्ष में ही मध्यान्ह भोजन बनाया जा रहा हैं। जिससे स्वच्छता और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका के व्यवहार पर भी आपत्ति जताई हैं। आरोप यह भी हैं कि उन्होंने फोटो खींचने से मना किया और किसी भी प्रकार की जानकारी देने से इंकार करते हुए अधिकारियों से अनुमति लाने की बात कही। संबंधित शिक्षिका कस्तूरबा कन्या छात्रावास अमरपुर में अधीक्षक पद पर भी पदस्थ हैं। जबकि छात्रावास और स्कूल के बीच लगभग 8 किलोमीटर की दूरी हैं। इस संबंध में ग्रामीणों का कहना हैं कि इस तरह की लापरवाही और व्यवहार से छात्राओं के भविष्य पर विपरीत असर पड़ रहा हैं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की हैं। वहीं पर इस संबंध में बीआरसी ने कहा कि शौचालय निर्माण की लागत 2ण्80 लाख रुपये हैं स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

योजनाओं ने भारत को सिमरत और विकसित और समृद्ध विकास की दिशा से जुड़ा-हीरा सिंह श्याम

कार्यकर्ता अंतिम छोर तक प्रधानमंत्री मोदी के विचारों को पहुंचाएं-अनिल गुप्ता पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 और अमरकंटक मण्डल में प्रथम दिवस संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

दीनदयाल प्राशिक्षण अभियान' का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक सशक्तिकरण एवं कार्यकर्ता विकास के उद्देश्य से दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित "दीनदयाल प्राशिक्षण अभियान" अमरकंटक मंडल में प्रथम दिवस संपन्न। अमरकंटक मंडल में इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्राशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक संरचना, कार्यपद्धति एवं जनसेवा के मूल सिद्धांतों से अवगत कराना है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को एकात्म मानववाद, अंत्योदय की भावना तथा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के संकल्प के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को बताया कि कैसे संगठन की मजबूती ही राष्ट्र निर्माण की नींव है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाने, जनसमस्याओं के समाधान में योगदान देने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। जिससे संगठन का हर कार्यकर्ता सशक्त, जागरूक और समाज सेवा के लिए पूर्णतः तैयार हो सके। प्रशिक्षण महा अभियान में वक्ता पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह सिकरवार, वरिष्ठ भाजपा नेता उमेश पाठक, वरिष्ठ भाजपा नेता अजय शुक्ला, जिला महामंत्री एवं मंडल प्रभारी श्याम नारायण शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र चतुर्वेदी, अमरकंटक मंडल अध्यक्ष रोशन पनारिया मंडल पदाधिकारी एवं सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सेवा निवृत्त शिक्षक का समारोहपूर्वक होगा विदाईभिनंदन

तेंदूखेड़ा समीपी ग्राम काचरकोना में जन्में मिडिल स्कूल की शिक्षा ग्रहण कर तेंदूखेड़ा से हाईस्कूल की शिक्षा ग्रहण करने के बाद 1983 से गृह ग्राम काचरकोना से ही अपनी मिडिल स्कूल की शासकीय सेवा में संलग्न हुए सेवा भावी सहज शिक्षक शेख जुम्मन कुरैशी की 43 वर्ष 2 माह की शासकीय सेवावधि समाप्त होने के उपरांत आज समारोह पूर्वक शासकीय कन्या विद्यालय द्वारा विदाईभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इनके द्वारा जनशिक्षक से लेकर सफल प्रधान पाठक के साथ साथ जनगणना चुनाव प्रक्रियाओं में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते राष्ट्रपति से लेकर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया जा चुका है।काफी लंबे समय से शासकीय कन्या विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ विद्यालय परिसर में पर्यावरण सुरक्षा संरक्षण से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही थी।

साहिल का देश की अंडर 19 वॉलीबाल टीम में चयन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मे अध्यनरत वॉलीबाल हॉस्टल के छात्र साहिल सोनी का चयन भारत के अंडर 19 वॉलीबॉल टीम के संभावित 24 खिलाडियों में हुआ। साहिल प्रशिक्षक मनीष कटारे एवं शाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में विगत चार पांच वर्षो से कड़ी मेहनत कर रहे थे विगतवर्ष वह इस उपलब्धि से चूक गए थे इस वर्ष उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की साहिल वॉलीबॉल खेल के शानदार लिब्रो है इस उपलब्धि उन्होंने नेहरु विद्यालय को गौरवान्वित किया। पिछले वर्ष भी साहिल को उत्कृष्ट खेल के लिए बंसल न्यूज का पँख पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है साहिल की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुशवाहा, ए.डीपीसी विपनेश जैन, जिला क्रीड़ा खेल एवं खेल युवा कल्याण विभाग अधिकारी सुनीता यादव, विद्यालय पूर्व प्राचार्य ए के चैबे, प्राचार्य प्रीति नेमा, जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुज जैन, पी.टी.आई पंकज नेमा एवं समस्त विद्यालय ने शुभकामनाएं दी हैं।

उचित दाम पर मिलेंगी पुस्तकें व अन्य सामग्री

जिले के सभी विकास खंडों में लगेंगे पुस्तक मेले

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। सरकार राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिले में पुस्तक मेले का आयोजन 3 अप्रैल से 7 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इस मेले के माध्यम से नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रारंभ में विद्यार्थियों को पुस्तकें, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म, जूते आदि सामग्री उचित मूल्य पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इस संबंध में कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला समिति नरसिंहपुर श्रीमती रजनी सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि जिले के अशासकीय विद्यालयों द्वारा पालकों पर पुस्तकें, स्टेशनरी, यूनिफार्म, शूज इत्यादि किसी विशेष दुकान अथवा विद्यालयों से क्रय किए जाने के लिए बाध्य, तो नहीं किया जा रहा है। साथ ही इसकी मॉनीटरिंग के लिए जिला स्तर पर विभिन्न कमेटियों का गठन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने समस्त प्राचार्य प्रबंधक अशासकीय विद्यालय, सीबीएसई, स्टेट बोर्ड व अन्य बोर्ड नरसिंहपुर को निर्देशित किया है कि वे अपने विद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों एवं पालकों को पुस्तक मेला आयोजन में सामग्री क्रय करने के लिए सूचित करें।

कम दाम में मिलेगी सामग्री

जारी आदेश के अनुसार मप्र बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएससी एवं अन्य बोर्ड, समस्त अशासकीय विद्यालयों के लिये मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 एवं मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 प्रभावशील है। नियम 2020 के प्रावधानों के अनुसार निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा छात्र या अभिभावकों को पुस्तकें, यूनिफॉर्म, टाई, जूते, कॉपी आदि केवल चयनित विक्रेताओं से क्रय करने के लिए औपचारिक अथवा अनौपचारिक, किसी भी रुप में बाध्य नहीं किया जायेगा। छात्र या अभिभावक इन सामग्रियों को खुले बाजार से क्रय करने के लिये स्वतंत्र होंगे। मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 एवं मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 के प्रावधानों का सम्यक रुप से पालन हो, इसके लिए विगत सत्र की भांति इस सत्र में भी पुस्तक मेला का आयोजन किया जा रहा है।

7 तक होगा आयोजन

जिले के विकासखंड नरसिंहपुर के अंतर्गत शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में 3 अप्रैल को, गोटेगांव के अंतर्गत शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोटेगांव में 4 अप्रैल को, करेली के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या करेली में 5 अप्रैल को, सांईखेड़ा- चीचली के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (बीटीआई) गाडरवारा में 6 अप्रैल को और चांवरपाठा के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या तेंदूखेड़ा में 7 अप्रैल को पुस्तक मेलों का आयोजन किया जाएगा। पुस्तक मेले के लिए लिए गठित आयोजन समिति विद्यार्थियों द्वारा क्रय की जाने वाली पुस्तकें, स्टेशनरी, यूनिफार्म, शूज आदि उचित मूल्य पर सुलभ कराए जाने के लिए संबंधित सभी व्यापारियों को पुस्तक मेले में उपस्थित होने के लिए सूचित करें और संबंधित प्राचार्य आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी तहसीलदार की अध्यक्षता में अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य संचालक एवं व्यापारियों की बैठक आयोजन कर विद्यार्थियों पालकों को प्रिंट दर से कम से कम 10 प्रतिशत छूट देने की सहमति दिलाए जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक पुस्तक मेला आयोजन का व्यापक रूप से प्रचार- प्रसार करना सुनिश्चित करें।

जिला स्तरीय विभागीय खेल प्रतियोगिता संपन्न

गत दिवस जिला स्तरीय 12वीं स्कूल एज्युकेशन डिपार्टमेंटल स्पोर्ट्स-2025 का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल एवं संयुक्त संचालक जबलपुर संभाग के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी मार्गदर्शन में संपन्न हुई। क्रिकेट (पुरुष वर्ग) का आयोजन शिवाजी खेल मैदान में तथा एथलेटिक्स, वॉलीबॉल एवं कबड्डी (पुरुष व महिला वर्ग) प्रतियोगिताएं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय स्टेडियम में आयोजित हुईं। जिले के सभी विकासखंडों के शासकीय कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सचिव जिला क्रीड़ा एवं कल्याण निरीक्षक अनुज जैन द्वारा चयनित प्रतिभागियों की सूची जारी की गई। प्रतियोगिता के सफल संचालन में जिला खेल एवं कल्याण अधिकारी श्रीमती सुनीता यादव, बीईओ सिद्धांत बागड़े,व्हालीवाल जोनल सेक्रेटरी मनीष कटारे, पंकज नेमा, बी ए सी ब्रजेश नेमा, उमाशंकर छिरा, आशीष नामदेव, डॉ अंजीता वर्मा , विक्रम शर्मा, योगेश सोनी, अमित कहार, संदीप तिवारी, प्रदीप जाटव सहित समिति के विभिन्न सह-संयोजकों, निर्णायकों एवं सहयोगी स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नर्मदांचल पत्रकार संघ में संदीप नगर अध्यक्ष व देवी प्रसाद बने जिला महासचिव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नर्मदांचल पत्रकार संघ द्वारा संगठन की मजबूती और विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है। संघ के वरिष्ठ नेतृत्व ने पत्रकारिता के क्षेत्र में निरंतर सक्रियता और समर्पण को देखते हुए संदीप दुबे को नगर अध्यक्ष और देवी प्रसाद (बब्लू) कहार को जिला महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। निष्ठा से निभाएंगे जिम्मेदारी नवनियुक्त जिला महासचिव देवी प्रसाद कहार ने अपनी नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर और संदीप दुबे पर जो भरोसा जताया है, वे उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, यह सम्मान हमें पत्रकारिता की गरिमा बनाए रखने और जनहित के मुद्दों को पूरी प्रखरता से उठाने के लिए प्रेरित करेगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा राज्यपाल के नाम सौंपा गया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गैस सिलेंडर मूल्य वृद्धि को वापिस लेने, ईंधन गैस की पर्याप्त उपलब्धता करने एवं बिजली दरों में अप्रत्याशित वृद्धि पर रोक लगाने, पेट्रोल डीजल की उपलब्धता निरंतर करने की मांग को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नरसिंहपुर द्वारा मंगलवार को राज्यपाल के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के चलते आमजन महंगाई की मार से पहले से ही प्रभावित है उस पर सरकार द्वारा गैस सिलेंडर के मूल्यों में वृद्धि करके एवं राज्य की भाजपा सरकार द्वारा बिजली दरों में बढ़ोतरी करके जनता का जीना कठिन कर दिया है। पेट्रोल डीजल की उपलब्धता भी पर्याप्त मात्रा में नहीं होने से आमजन परेशान है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि ईंधन गैस के लिए लोग घंटों धूप में लाइन में लगे रहते हैं जिससे आम आदमी की दिनभर की मजदूरी चली जाती है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शहर मनीष साहू ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बिजली दरों में भारी वृद्धि की जा रही है। जिससे हर वर्ग की मुसीबत बढ़ेगी। लगातार बिजली के दाम बढ़ने से लोग पहले से परेशान है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण धनीराम पटेल ने बताया कि अब फिर से बिजली के दाम बढ़ाये जा रहे हैं। बिजली कटौती भी एक समस्या बनी हुई है किसानों को बिजली नहीं मिल रही। नगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल ने बताया कि पेट्रोल डीजल की भी पर्याप्त उपलब्धता नही है। डीजल के कारण खेती किसानी और व्यापारिक कारोबार प्रभावित होता है। जिला एन एस यू आई के जिला अध्यक्ष ईशान राय ने मांग की कि 1 अप्रैल से रोजमर्रा की वस्तुओं एवं कई सेवाओं के दामों, शुल्कों की वृद्धि को रोका जाए। उक्त मौके पर भगवत सिंह जाट, अस्सू नेमा, आशीष राजवेध, बाबी खान, अजय दुबे, देवेंद्र शुक्ला, संतोष शुक्ला, रज्जू पाठक, डॉ राजकुमार नेमा, मनोज राव, यासीन खान, मिक्की राय, सोनू प्रजापति, अंकुर बटरी, सौरभ रिछारिया, अभिषेक प्रजापति, संदीप मुगदियार, रीतेश नामदेव, आजाद खान, संजय राजपूत, मो. आजाद, अरविंद चैबे, अंकुर बाटली, घनश्याम जाटव, अन्नी यादव के बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद थे।

पुस्तकालय समाज के ज्ञान तीर्थः श्रीधर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पुस्तकालय समाज का ज्ञान तीर्थ है, इसका लाभ सभी को उठाना चाहिए। सकारात्मक पुस्तक पढ़ना ही ज्ञानार्जन का एकमात्र रास्ता है। वर्तमान में सोशल मीडिया का अध्ययन बढ़ रहा है, जो विचारों की अधिकता के कारण भटकाव को भी बढ़ा रहा है। उपरोक्त विचार माधवराव सप्रे संग्रहालय भोपाल के संस्थापक पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर ने व्यक्त किए। वे यहां डाइट परिसर स्थित पुस्तकालय भवन को देखने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि वह शासन द्वारा बने इस शानदार पुस्तकालय का लाभ उठाएं, यहां आकर सदस्य बने और पुस्तकों को पढ़ें। **पुस्तकें दी भेंट** उन्होंने सीईओ जिला पंचायत गजेंद्र सिंह को अपनी ओर से पुस्तकालय के लिए पुस्तकें भेंट की और भविष्य में भी बड़ी संख्या में पुस्तकें देने का वादा किया। सीईओ से हुई लंबी चर्चा में उन्होंने जिले के पुस्तकालयों को व्यवस्थित करने, उनमें सदस्य संख्या बढ़ाने का प्रयास करने और अन्य स्थानों पर पुस्तकालय खोलने हेतु आग्रह किया, साथ ही स्वयं सहयोग देने भी कहा। उक्त मौके पर इस दौरान डाइट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, सुशान्त पुरोहित डॉ बृजेश शर्मा, आशीष खरे दिनेश उभान बोहानी भी मौजूद रहे।

पैपिलोमा वायरस को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ल्यूमेनोवा फाउंडेशन द्वारा शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय में बी.एससी. नर्सिंग प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, रंगोली, रोल प्ले नुक्कड़ नाटक एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज और ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता के माध्यम से प्रभावशाली स्वास्थ्य संदेश प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के विजेता में रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम प्रियंका पांडे, द्वितीय ऋतु बसेने, तृतीय वंदना रावटेल एवं रोल प्ले नुक्कड़ नाटक में प्रथम प्राची, अस्मा, सुनाक्षी, मुस्कान, साक्षी, प्रज्ञा, अंजलि, भूमि, साथ ही भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय एस. निवेथा, तृतीय भूमिका बागरी, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम संस्कृति श्रीवास्तव, द्वितीय दीक्षा दिवगैया, तृतीय पूजा बघेल, चतुर्थ सान्या सिंह बघेल रहीं। कार्यक्रम का संचालन फैकल्टी सदस्यों के मार्गदर्शन में किया गया जिनमें डॉ. शारदा नागवंशी प्राचार्य, ममता चैबे, विनीता बिसेन एवं सभी सिस्टर ट्यूटर का रहा। इस पहल का उद्देश्य भविष्य के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को जागरूक करना एवं उन्हें समाज में स्वास्थ्य संदेश फैलाने के लिए प्रेरित करना है।

तेंदूखेड़ा अनुभाग के अंतर्गत अलग-अलग थानों में की गई कार्यवाही

तेंदूखेड़ा। इन दिनों जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा के निर्देशन में संपूर्ण जिले में चल रही अवैधानिक गतिविधियों मादक पदार्थों की बिक्री की धरपकड़ अभियान के तहत तेंदूखेड़ा अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले तेंदूखेड़ा पलोहा सुआतला पुलिस थानों में पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों को जेल भेजा है। जिसमें एनडीपीएस एक्ट में एक प्रकरण में 23.4 ग्राम स्मैक जिसकी बाजार कीमत 234000 रुपए आबकारी एक्ट के तहत 24 प्रकरणों में 79.65 लीटर कच्ची महुआ एवं देशी अंग्रेजी तथा सट्टा खिलाने वालों के विरुद्ध 07 प्रकरणों में 1855 रुपए जब्त किए गए हैं।हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार तेंदूखेड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत आबकारी एक्ट के तहत 8 प्रकरण दर्ज किए गए जिसमें 50 पाव देशी प्लेन शराब कीमत 5 हजार रुपए तथा सट्टा पट्टी के 3 प्रकरणों में 780 रुपए की जब्ती की गई।

सुआतला पुलिस ने की सबसे ज्यादा कार्यवाही

इसी तरह तेंदूखेड़ा अनुभाग के थाने सुआतला में 23.4 ग्राम स्मैक जिसकी बाजार कीमत 234000 हजार रुपए आबकारी एक्ट के तहत 12 प्रकरणों में 37 लीटर कच्ची महुआ शराब तथा 12.5 लीटर देशी अंग्रेजी शराब और सट्टा पट्टी में 4 प्रकरणों के तहत 1075 रुपए जब्त किए गए।पलोहा थाने में आबकारी एक्ट के तहत 20पाव देशी प्लेन तथा 18 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की गई है।इन सभी कार्यवाहियों में एस डी ओ पी अभिनव मिश्रा के साथ तेंदूखेड़ा नगर निरीक्षक किशोर बामनकर सुआतला नगर निरीक्षक प्रियंका केवट पलोहा निरीक्षक बनवारीलाल त्यागी तथा बरमान उप निरीक्षक आशीष बोपचे की मुख्य भूमिका रही है।

शराब के नशे में मूर्ति को छति पहुंचाने वाला गया जेल

पुलिस ने रैली निकालकर किया न्यायालय में पेश

तेंदूखेड़ा। सोमवार की रात्रि को ग्राम पंचायत मदनपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरेली में रहने वाले तुलसीराम ठाकुर अपने दो अन्य साथियों कमलेश ठाकुर रामसिंह ठाकुर द्वारा सड़क मार्ग पर स्थित हनुमान मंदिर में बैठकर शराब पी रहे थे। इनमें से दो साथी कमलेश और रामसिंह ठाकुर तो घर चले गये थे लेकिन तुलसीराम ठाकुर मंदिर में ही सो गया था जिसने नशे की हालत में मंदिर में स्थित हनुमान जी की मूर्ति को क्षति पहुंचाई गई थी। और वहां से चला गया था।जब सुबह-सुबह जब गांव के लोगों ने वहां देखा तो तत्काल पुलिस को जानकारी दी। घटना की सूचना तेंदूखेड़ा एस डी ओ पी ने जिला पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया उनके द्वारा मिले मार्गदर्शन के आधार पर तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित हो के पूर्व आरोपियों को पकड़ने के लिए एक टीम गठित की गई जिसमें आरोपी तुलसीराम ठाकुर को बरेली स्थित खेत से उसे गिरफ्तार किया गया। उसके बताए अनुसार दो अन्य साथियों को भी पुलिस ने पकड़ कर पुलिस थाना ले आये। तथा तेंदूखेड़ा पुलिस ने मुख्य आरोपी तुलसीराम ठाकुर के विरुद्ध धारा 298 बी एन एस की धारा के तहत मामला दर्ज करते हुए न्यायालय में पेश किया और जेल भेज दिया गया।इस कार्यवाही में नगर निरीक्षक किशोर बामनकर सउनि जितेन्द्र राजपूत शशांक दुबे प्रआर संजय शाह आरक्षक नारायण मरावी और अमन नामदेव की मुख्य भूमिका रही।

आईसीटी लैब पर छाया संकट

कंप्यूटर इंस्ट्रक्टरों के भविष्य को लेकर चिंता

तेंदूखेड़ा। सत्र 2026–27 के पूर्व ही तेंदूखेड़ा एवं आसपास के क्षेत्रों की आईसीटी लैब में कार्यरत कंप्यूटर इंस्ट्रक्टरों के भविष्य पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। हाल ही में जारी आदेशों में अप्रैल माह के लिए बजट न होने का हवाला देते हुए कंप्यूटर इंस्ट्रक्टरों की सेवाएं समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व में जारी आदेश में इंस्ट्रक्टरों को अप्रैल माह तक सेवाएं देने की बात कही गई थी। लेकिन 24 घंटे के भीतर ही उक्त आदेश को निरस्त कर दिया गया और नई व्यवस्था के तहत उनकी सेवाएं केवल 31 मार्च 2026 तक ही लेने का आदेश जारी कर दिया गया। इस निर्णय से कंप्यूटर इंस्ट्रक्टरों के सामने आगामी चार माह तक बेरोजगारी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। बताया गया कि पूर्व में कंप्यूटर इंस्ट्रक्टरों की जॉइनिंग अतिथि शिक्षकों की तरह की जाती थी। परंतु 14 नवंबर 2026 के एक आदेश के तहत बीच सत्र में ही उन्हें आउटसोर्स व्यवस्था में शामिल कर दिया गया था। जिससे उनकी स्थिति और अधिक अस्थिर हो गई है। इसी संकटपूर्ण स्थिति को लेकर नरसिंहपुर जिले के सभी ब्लॉकों के आईसीटी इंस्ट्रक्टरों ने 29 मार्च को स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से उनके गृहग्राम लोलरी में मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इंस्ट्रक्टरों ने मांग रखी कि मार्च माह में सत्र समाप्त न किया जाए उन्हें अनुभव प्रमाण पत्र प्रदान किया जाए तथा भविष्य में आने वाली सरकारी नौकरियों में अनुभव के आधार पर प्राथमिकता दी जाए। इस पर मंत्री श्री सिंह ने आश्वासन दिया कि इंस्ट्रक्टरों का कार्यकाल अप्रैल माह तक बढ़ाने अनुभव प्रमाण पत्र दिलाने तथा भविष्य की सरकारी भर्तियों में अनुभव के आधार पर प्राथमिकता दिलाने के लिए यथासंभव प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर नरसिंहपुर जिले के आईसीटी इंस्ट्रक्टर ऊष्मा अग्रवाल आकांक्षा तिवारी अभिषेक कुमार यादव वसीम खान शक्ति साहू गौरव सचेंद्र पाराशर राघवेंद्र कौरव प्रज्ञा उपाध्याय नरेंद्र केवट आदर्श सर सहित अन्य साथी उपस्थित रहे। इंस्ट्रक्टरों का कहना है कि यदि अप्रैल माह में भी उन्हें कार्य पर रखा जाता है तो नवीन सत्र में विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा सुचारू रूप से प्रदान की जा सकेगी तथा आईसीटी लैब का संचालन भी व्यवस्थित रूप से हो पाएगा। वर्तमान स्थिति में मार्च माह का केवल एक दिन शेष है और यदि सेवाएं समाप्त होती हैं तो आगामी चार माह तक आईसीटी लैब की देखभाल के लिए कोई भी उपलब्ध नहीं रहेगा। नरसिंहपुर जिले में लगभग 65 आईसीटी कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर कार्यरत हैं। जबकि पूरे मध्यप्रदेश में इनकी संख्या लगभग 3600 बताई जा रही है। जिनके भविष्य को लेकर इस निर्णय से व्यापक चिंता का माहौल बना हुआ है।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषण

रा.प्र.क्र./203 अ-20(1) वर्ष 2025-26

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नजूल शीट क्रमांक 01, नगरीय क्षेत्र का नाम कंदेली, प्लाट नंबर 2/14 रकबा 1980 वर्गफुट विद्यमान अभिलेख में धारक/ धारकों के नाम/ पिता/ माता का नाम तथा पूर्ण नाम पता- अन्नी लाल आत्मज धीरज सिंह पटेल सा. कंदेली उस व्यक्ति/ व्यक्तियों का नाम/पिता/ माता/ पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष मे प्रकरण विचाराधीन है- अन्नी लाल आत्मज धीरज सिंह पटेल सा. कंदेली में उपरोक्त अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थाई पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 21/04/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैद्य प्रतिनिधी के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी नरसिंहपुर